

The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ड ३—उप-कण्ड (1) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भाषिकार से मकावित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 482] No. 482: नई दिल्लो, बुजबार, अन्तूबर 15, 1988/म्रास्थित 23, 1908

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCT. 15, 1986/ASV(N \ 23, 19)3

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की कासी हैं किससे कि यह असग संकलन के उत्प क रका का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंद्रालय

(प्रामोग विकास विद्या)

मई दिल्ली, 9 प्रस्तुपर, 1986

म्रजित्र व ग

भीर उक्त राजपन्न की, जिसमें पूत्रोंक प्राच्य नियम प्रकातित हुए ये, प्रतिमं 10 तितन्त्रर, 1935 को अनता को उमलब्ध करा वी गई भीं;

ग्रोर केन्द्रीय सरकार ने उन्न प्राक्त नियमों की वावत प्राप्त ग्राक्षेमों ग्रीर सुसाओं पर निधार कर लिया है;

श्रतः श्रव के जो । सरकार उक श्रीविध्यम को धारा 55 को उप-प्रारा (1) द्वारा घरत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भूमि श्रजी (क पनी) निवन, 1963 का श्रीर संगीधम करने के निए निम्निविखित निवन श्रारती है, श्रवीह:---

- 1. (1) इत नियनों का याद वृत्ति श्रजंब (कन्पती) (संतोधन) वियन, 1936 है।
 - (2) ये राजन्त में प्रकाश की लारीख को प्रवृत्स होंगे
- 2. मूनि प्रजन (क पनी) विधर, 1963 में ;---
- (i) निजन 3 के उत्तिकार (2) के स्थान पर निम्न-निजित रखा जाएता, शर्थात् :---
 - "(2) स्तिति में निस्तिवित्त होंगे :--
 - (i) सरकार के राजत्य, इति छोर उग्री कियागीं के सबिव या उक्त जिलागों में से प्रस्थेक के ऐसे

श्रन्य <mark>प्रधिकारी जिन्हें</mark> सनुषित सरकार नियुक्त करे,

- (ii) अन्य ऐसे सबस्य, जिन्हें समुचित सरकार ऐसी अविध के लिए नियुक्त करे जो, आवेस द्वारा, विनिविद्य की आए, और
- (iii) विभाग का सचित्र, या उसके द्वारा गायिनवेशित कोई ग्रधिकारों जो उन प्रयोजनों का संव्यवहार करता हो जिनके लिए कस्पनी भूमि का श्रर्जन करने की प्रस्थापना जरती है।";
- (ii) नियम 6 के उपित्रियम (1) में, "मत्यावश्यकता की किसी दशा में, जहां किसी मूमि का कब्जा धारा 12 के मधीन केने का अनाव किया जाता है" शब्दों का लीव किया जाएगा;
 - (iii) नियम 9 के स्थान पर निम्मलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—
 - "9. कम्पनी के संबंध में विशेष उपबन्ध :—
 जब किसी कम्पनी हारा किसी भूमि के प्रजीन के
 लिए कोई भाषेदन समुचित सरकार को दिया
 जाता है, तब ऐसा अर्जन साधारणस्था अधिनियम
 के भाग 7 के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा।"

[का.सं. 12011/32/19/84-(एल प्रार की)] जे.सो.चेडली, प्रतिरिक्त सचिव

हिष्ययः मूल नियम मारत के राजपत्न, भाग 2, बंब 3, उपबंब (i) तारीख 22-6-1963 के पृष्ठ 487 से 490 पर खाद और कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) को सरकारी प्रधिसूचना सं.सा.का.नि. 1073, तारीख 22-6-1963 के द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 9th October, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 1150(E).—Whereas the draft rules further to amend the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963 were published as required by sub-section (2) of section 55 of the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894) at page 2 of the Gazette of India, Extraordinary. Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 4th September, 1985, under the notification of the Ministry of Agriculture and Rural Development (Department of Rural Development) No. G.S.R. 713(E), dated the 4th September, 1985 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette in which the aforesaid draft rules were published were made available to the public on the 10th September, 1985;

And whereas the objections and suggestions received in respect of the said draft rules have been taken into consideration by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 55 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Land Acquisition (Companies) (Amendment), Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Land Acquisition (Companies) Rules, 1963,—
- (i) for sub-rule (2) of rule 3, the following shall be substituted, namely:—
 - "(2) The Committee shall consist of:-
 - the Secretaries to the Government of the Departments of Revenue, Agriculture and Industries or such other officers of each of the said Departments as the appropriate Government may appoint,
 - (ii) such other members as the appropriate Government may appoint for such term as that Government may, by order, specify, and
 - (iii) the Secretary to the Department or any officer nominated by him dealing with the purposes for which the company proposes to acquire the land.";
- (ii) in sub-rule (1) of rule 6, the words, "in any case of urgency where possession of any land is proposed to be taken under section 17", shall be omitted;
- (iii) for rule 9, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "9. Special provision in relation to a company—
 When an application is made to the appropriate Government for acquisition of any land by a company, such acquisition shall ordinarily be made in accordance with the provisions of Part VII of the Act".

[File No. 12011|32|19|84-(LRD)] J. C. JETLI, Addl. Secy.

NOTE.—The principal rules were published in the Gazette of India Extraordinary, Part II. Section 3, Sub-section (i) dated the 22nd June, 1963 at pages 487 to 490 vide Government of India notification, in the Minstry of Food and Agriculture, Department of Agriculture, No. G.S.R. 1973 dated the 22nd June, 1963.